



# Delhi Public School, Howrah

FINAL EXAMINATION (2024-2025)

CLASS - IX

Care must be taken not to write anything on the question paper. All the questions must be attempted in the correct sequence.

विषय :- हिन्दी (अ) (002)

अवधि- 3 घंटे

पूर्णांक-80

सामान्य निर्देश :-

1. इस प्रश्न पत्र में 4 खंड हैं - खंड-क, खंड-ख, खंड-ग और खंड-घ।
2. दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
3. लेखन कार्य में स्वच्छता का विशेष ध्यान रखिए।

## (खंड-क) (अपठित गद्यांश)

1. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए- (7)

कहा जाता है कि हमारा लोकतंत्र यदि कहीं कमज़ोर है तो उसकी एक बड़ी वज़ह हमारे राजनैतिक दल हैं। वे प्रायः अव्यवस्थित हैं, अमर्यादित हैं और अधिकांशतः निष्ठा और कर्मठता से संपन्न नहीं हैं। हमारी राजनीति का स्तर प्रत्येक दृष्टि से गिरता जा रहा है। लगता है उसमें सुयोग्य और सच्चरित्र लोगों के लिए कोई स्थान नहीं है। लोकतंत्र के मूल में लोकनिष्ठा होनी चाहिए, लोकमंगल की भावना और लोकानुभूति होनी चाहिए और लोकसंपर्क होना चाहिए। हमारे लोकतंत्र में इन आधारभूत तत्वों की कमी होने लगी है, इसलिए लोकतंत्र कमज़ोर दिखाई पड़ता है। हम प्रायः सोचते हैं कि हमारा देश-प्रेम कहाँ चला गया, देश के लिए कुछ करने, मर-मिटने की भावना कहाँ चली गई? त्याग और बलिदान के आदर्श कैसे, कहाँ लुप्त हो गए? आज हमारे लोकतंत्र को स्वार्थांधता का घुन लग गया है। क्या राजनीतिज्ञ, क्या अफ़सर अधिकांश यही सोचते हैं कि वे किस तरह स्थिति का लाभ उठाएँ, किस तरह एक-दूसरे का इस्तेमाल करें। आम आदमी अपने आपको लाचार पाता है और ऐसी स्थिति में उसकी लोकतांत्रिक आस्थाएँ डगमगाने लगती हैं। लोकतंत्र की सफलता के लिए हमें समर्थ और सक्षम नेतृत्व चाहिए, एक नई दृष्टि, एक नई प्रेरणा, एक नई संवेदना, एक नया आत्मविश्वास, एक नया संकल्प और समर्पण आवश्यक है। लोकतंत्र की सफलता के लिए हम सब अपने आप से पूछें कि हम देश के लोकतंत्र के लिए क्या कर सकते हैं? हम सिर्फ़ पूछकर ही न रह जाएँ, बल्कि संगठित होकर समझदारी, विवेक और संतुलन से लोकतंत्र को सफल और सार्थक बनाने में लग जाएँ।

**सोपान I. बहुविकल्पीय प्रश्न-**

**(1X3=3)**

I. लोकतंत्र का मूल तत्त्व नहीं है-

(क) लोकमंगल के प्रति उपेक्षा

(ख) लोकनिष्ठा की अपेक्षा

(ग) लोकसंपर्क की इच्छा

(घ) लोक के सुख-दुःख की अनुभूति।

II. आम आदमी की लोकतांत्रिक आस्थाएँ डगमगाती हैं-

(क) राजनीतिज्ञों की जनसेवा देखकर

(ख) अफसरों की कर्तव्यनिष्ठा देखकर

(ग) लोकतंत्र की गिरती मर्यादा के समक्ष स्वयं को विवश देखकर

(घ) लोकतंत्र की सफलता को देखकर।

III. लोकतंत्र की सफलता और सार्थकता आधारित नहीं है-

(क) नई दृष्टि, प्रेरणा और संवेदना पर

(ख) विवेक और संतुलन की प्रवृत्ति पर

(ग) संकल्प और समर्पण की प्रवृत्ति पर

(घ) संगठन और आत्मविश्वास के अभाव पर

**सोपान II. लघुतरात्मक प्रश्न-**

**(2X2=4)**

IV. राजनैतिक दलों को लोकतंत्र की असफलता का कारण क्यों बताया जाता है?

V. लोकतंत्र के मूल तत्त्व क्या हैं? हमारा लोकतंत्र कमज़ोर क्यों दिखाई पड़ रहा है?

**(अपठित काव्यांश)**

**2. निम्नलिखित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिखिए-**

**(7)**

मेरा माँझी मुझसे कहता रहता था,  
बिना बात तुम नहीं किसी से टकराना।  
पर जो बार-बार बाधा बनकर आएँ  
उनके सिर को वहीं कुचलकर बड़ जाना।  
जान-बूझकर मेरे पथ में आती हैं,  
भवसागर की चलती-फिरती चट्टानें।  
मैं इनसे जितना ही बचकर चलता हूँ,  
उतना ही मिलती हैं ये ग्रीवा ताने।  
रख अपनी पतवार, कुदाली लेकर मैं,  
तब मैं इनका उन्नत भाल झुकाता हूँ।  
राह बनाकर नाव बढ़ाए जाता हूँ।  
जीवन की नैया का चतुर खिवैया मैं  
भवसागर में नाव बढ़ाए जाता हूँ।

**सोपान I. बहुविकल्पीय प्रश्न-**

**(1X3=3)**

I. कवि चट्टानों का उन्नत भाल किससे झुकाता है-

(क) अपनी पतवार से

(ख) अपनी कुदाली से

(ग) अपनी नाव से

(घ) अपनी तलवार से।

II. कवि जीवन-नैया का कैसा खिवैया है-

(क) अकुशल

(ख) चतुर

(ग) साहसी

(घ) इनमें से कोई नहीं।

III. कवि कहाँ नाव बढ़ाए जाता है-

(क) झील में

(ख) तालाब में

(ग) नदी में

(घ) भवसागर में।

**सोपान II. लघुतरात्मक प्रश्न-**

**(2X2=4)**

IV. माँझी ने कवि को क्या सीख दी?

V. भवसागर की चट्टानों की क्या विशेषता है और कवि उनसे कैसे पार पाता है?

**(खंड-ख-व्याकरण)**

3. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त किन्हीं दो का प्रत्यय एवं मूल शब्द लिखिए। (1X2=2)

प्रत्यय

मूल शब्द

(क) टोटीदार

(ख) समर्पित

(ग) ठकुराइन

4. निम्नलिखित शब्दों में प्रयुक्त किन्हीं दो का उपसर्ग एवं मूल शब्द लिखिए। (1X2=2)

उपसर्ग

मूल शब्द

(क) गैरसरकारी

(ख) अध्यक्ष

(ग) उनासी

5. निम्नलिखित समस्त पदों में से किन्हीं चार का समास-विग्रह कीजिए और समास का नाम लिखिए- (1X4=4)

(क) दुश्चरित्र

(ख) आजानबाहु

(ग) वेद-पुराण

(घ) यथासमय

(ङ) नवरात्रि

6. निर्देशानुसार किन्हीं चार वाक्यों का वाक्य परिवर्तन कीजिए-

(1X4=4)

- (क) कठिन परिश्रम से परीक्षा में अंक मिलते हैं। (संकेतवाचक)  
(ख) वाह! कितना सुंदर मौसम है। (विधानवाचक)  
(ग) यदि समय पर पहुँचते, तो गाड़ी पकड़ लेते। (आज्ञावाचक)  
(घ) शायद बारिश बंद हो गई है। (प्रश्नवाचक)  
(ङ) वह कल घर खाली कर देगा। (संदेहवाचक)

7. निर्देशानुसार 'अलंकार' पर आधारित पाँच प्रश्नों में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए-

(1X4=4)

- (क) मधुर मृदु मंजुल मुख मुसकान।  
(ख) वह बाँसुरी की धुनि कानि परे, कुल कानि हियो तजि भाजति है।  
(ग) 'मंगन को देखि पट देत बार-बार है।'  
(घ) माला फेरत जुग भया, गया न मन का फेर।  
कर का मनका डारिके, मन का मनका फेर।।  
(ङ) मुदित महीपति मंदिर आए,  
सेवक सचिव सुमंत बुलाए

(खंड-ग- पाठ्यपुस्तक)

8. निम्नलिखित पठित गद्यांश पर आधारित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर लिखिए-

(1X5=5)

अंततः इस संस्कृति के फैलाव का परिणाम क्या होगा? यह गंभीर चिंता का विषय है। हमारे सीमित संसाधनों का घोर अपव्यय हो रहा है। जीवन की गुणवत्ता आलू के चिप्स से नहीं सुधरती। न बहुविज्ञापित शीतल पेयों से। भले ही वे अंतर्राष्ट्रीय हों। पीज़ा और बर्गर कितने ही आधुनिक हों, हैं वे कूड़ा खाद्य। समाज में वर्गों की दूरी बढ़ रही है, सामाजिक सरोकारों में कमी आ रही है, जीवन स्तर का यह बढ़ता अंतर आक्रोश और अशांति को जन्म दे रहा है। जैसे-जैसे दिखावे की यह संस्कृति फैलेगी, सामाजिक अशांति भी बढ़ेगी। हमारी सांस्कृतिक अस्मिता का हास तो हो ही रहा है, हम लक्ष्य-भ्रम से भी पीड़ित हैं। विकास के विराट उद्देश्य पीछे हट रहे हैं, हम झूठी तृप्ति के तात्कालिक लक्ष्यों का पीछा कर रहे हैं। मर्यादाएँ टूट रही हैं, नैतिक मानदंड ढीले पड़ रहे हैं। व्यक्ति केंद्रकता बढ़ रही है, स्वार्थ परमार्थ पर हावी हो रहा है। भोग की आकांक्षाएँ आसमान को छू रही हैं। किस बिंदु पर रुकेगी यह दौड़?

1. किसका घोर अपव्यय हो रहा है?

- (क) धन का (ख) अन्न का  
(ग) सीमित संसाधनों का (घ) हमारी शक्ति का।

II. पीजा और बर्गर को लेखक ने क्या कहा है?

(क) पौष्टिक खाद्य

(ख) कूड़ा खाद्य

(ग) स्वादिष्ट खाद्य

(घ) श्रेष्ठ खाद्य ।

III. दिखावे की संस्कृति के फैलने से क्या होगा?

(क) सामाजिक अशांति बढ़ेगी

(ख) सामाजिक शांति बढ़ेगी

(ग) सामाजिक समृद्धि बढ़ेगी

(घ) सामाजिक पतन होगा।

IV. उपभोक्तावादी संस्कृति का क्या परिणाम हो रहा है?

(क) मर्यादाएँ टूट रही हैं

(ख) नैतिक मानदंड ढीले पड़ रहे हैं

(ग) व्यक्ति-केंद्रकता बढ़ रही है

(घ) उपर्युक्त सभी।

V. जीवन-स्तर का बढ़ता अंतर किसे जन्म दे रहा है?

(क) सुख और शांति को

(ख) आक्रोश और अशांति को

(ग) प्रेम और सद्भाव को

(घ) इन सभी को।

9. गद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए। (2X3=6)

(क) महादेवी वर्मा के जन्म के समय लड़कियों की दशा कैसी थी? आज उसमें क्या परिवर्तन आया है?

(ख) लेखक की नज़र में लोग फ़ोटो के लिए क्या-क्या करते हैं?

(ग) किस घटना ने सालिम अली के जीवन की दिशा को बदल दिया और उन्हें पक्षी-प्रेमी बना दिया?

(घ) झूरी की पत्नी ने हीरा-मोती को नमकहराम क्यों कहा?

10. निम्नलिखित पठित काव्यांश पर आधारित प्रश्नों के उपयुक्त उत्तर लिखिए- (1X5=5)

या लकुटी अरु कामरिया पर राज तिहूँ पुर को तजि डारौं।

आठहुँ सिद्धि नवौ निधि के सुख नंद की गाइ चराइ बिसारौं।।

रसखान कौं इन आँखिन सौं, ब्रज के बन बाग तड़ाग निहारौं।

कोटिक ए कलधौत के धाम करील के कुंजन ऊपर वारौं।।

I. रसखान श्रीकृष्ण की लाठी और कंबल पर क्या न्योछावर करने को तैयार हैं?

(क) घर-परिवार

(ख) धन-दौलत

(ग) तीनों लोकों का राज

(घ) कुछ भी नहीं।

II. सिद्धियाँ कितनी होती हैं?

(क) चार

(ख) पाँच

(ग) छह

(घ) आठ

III. रसखान अपनी आँखों से किसे निहारना चाहते हैं?

(क) यमुना के जल को

(ख) मंदिर में श्रीकृष्ण की मूर्ति को

(ग) ब्रज के वन-बाग-तड़ाग को

(घ) अपनी वाटिका को

IV. कवि करोड़ों सोने के महल किस पर न्योछावर करना चाहते हैं?

(क) यमुना पर

(ख) श्रीकृष्ण पर

(ग) गोकुल गाँव पर

(घ) ब्रज के करील के कुंजों पर

V. 'बन बाग' में कौन-सा अलंकार है?

(क) यमक

(ख) उपमा

(ग) रूपक

(घ) अनुप्रास।

11. पद्य पाठों के आधार पर निम्नलिखित चार प्रश्नों में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर लगभग 25-30 शब्दों में लिखिए। (2X3=6)

(क) मेघरूपी मेहमान के आने से वातावरण में क्या परिवर्तन हुए?

(ख) कवि राजेश जोशी ने अपनी कविता "बच्चे काम पर जा रहे हैं" में क्या-क्या प्रश्न उठाए हैं?

(ग) "कैदी और कोकिला" कविता के आधार पर पराधीन भारत की जेलों में दी जाने वाली यातनाओं का वर्णन कीजिए।

(घ) "ग्राम श्री" कविता में अरहर और सनई के खेत कवि को कैसे दिखाई देते हैं?

12. पूरक पाठ्य-पुस्तक के पाठों पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर लगभग 50-60 शब्दों में लिखिए। (4x2=8)

(क) रीढ़ की हड्डी" पाठ में बेटी का रिश्ता तय करने के लिए रामस्वरूप उमा से जिस प्रकार के व्यवहार की अपेक्षा कर रहे हैं, वह उचित क्यों नहीं है?

(ख) "मेरे संग की औरतें" पाठ में लेखिका ने अपनी नानी के बारे में क्या बताया है?

(ग) जब लेखक को यह अहसास हुआ कि उसके इलाके में भी पानी घुसने की संभावना है तो उसने क्या-क्या प्रबंध किए?

### (खंड-घ- रचनात्मक लेखन)

13. दिए गये संकेत- बिंदुओं के आधार पर निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर

लगभग 120 शब्दों में अनुच्छेद लिखिए-

(6X1=6)

(क) हमारे देश पर पड़ता विदेशी प्रभाव

संकेत-बिंदु- • हमारा देश • इसका प्राचीन रूप एवं संस्कृति • परिणाम।

अथवा

(ख) अब अबला नहीं सबला है नारी

संकेत बिंदु- • बदलता समय • किसी से कम नहीं • नारी के बढ़ते कदम

अथवा

(ग) बढ़ती जनसंख्या: एक विकट समस्या

संकेत-बिंदु- • जनसंख्या : एक विकट समस्या बढ़ती जनसंख्या के दुष्परिणाम • कारण • रोकने के उपाय व सुझाव ।

14. विद्यालय का पुस्तकालय विभिन्न प्रकार की पुस्तकों से भरा हुआ है, परंतु हिंदी पत्र-पत्रिकाओं का अभाव है। हिंदी की पत्र-पत्रिकाओं व उच्चकोटि का साहित्य मँगवाने के लिए विद्यालय के प्रधानाचार्य को पत्र लिखिए। (5X1=5)

**अथवा**

ग्रीष्मावकाश का कुछ समय अपने साथ बिताने का निमंत्रण देते हुए मित्र को पत्र लिखिए।

15. आप शक्ति / संयम हैं। आप लालटेन गंज में रहते हैं। आपके क्षेत्र में पिछले एक महीने से बिजली की गंभीर समस्या चल रही है। इसकी जानकारी देते हुए बिजली विभाग के वरिष्ठ अधिकारी को लगभग 80 शब्दों में ई-मेल लिखिए। (5X1=5)

**अथवा**

एक शाम जब मैं घर में बैठी थी तभी अचानक किसी ने जोर से दरवाजा खटखटाया। मैं चौंक गया/गई.....' पंक्ति से लगभग 100 शब्दों में लघुकथा लिखिए।

16. रेलवे प्लेटफॉर्म स्वच्छ रखने की सीख देते हुए दो यात्रियों के मध्य हुए संवाद को लगभग 80 शब्दों में लिखिए। (4X1=4)

**अथवा**

कथक-कला केंद्र वाराणसी द्वारा ग्रीष्मावकाश में एक कथक नृत्य प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इसकी जानकारी देते हुए लगभग 80 शब्दों में सूचना तैयार कीजिए।